



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 196 | नई दिल्ली, मंगलवार, जून 10, 1975/ज्येष्ठ 20, 1897

No. 196 | NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 10, 1975/JYAISTHA 20, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Banking)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th June 1975

S.O. 258(E).—In exercise of the Powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949, (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Note (f) appended to Form 'A' in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the Syndicate Bank in respect of its balance sheet as at the 31st December, 1974 which, when the value shown in the inner column against any of the sub-heads (ii), (iii), (iv) and (v) of item 4 of the Property and Assets side of the said Form exceeds the market value of the investments under that sub-head, shows separately within brackets the market value of the investments under that sub-head.

[No. 15(23)-B.O.III/75]

M. K. VENKATACHALAM, Jt. Secy.

वित्त मंत्रालय

बैंकिंग विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जून, 1975

का० आ० 258(अ) .—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की तीसरी अनुसूची के फार्म 'क' से संलग्न टिप्पणी (च) के उपबंध सिड्डीकेट बैंक के 31 दिसम्बर, 1974 के तुलनात्मक संबंध में लागू नहीं होंगे जिसमें सम्पत्ति और परिसम्पत्ति के अन्तर्गत मद 4 के उपशीर्षक (ii) (iii), (iv) और (v) में से किसी एक के सामने आंतरिक कालम में दिखाया गया मूल्य उक्त उपशीर्षकों के अन्तर्गत दिखाये गये निवेशों के बाजार मूल्य बढ़ जाने पर उक्त उपशीर्षक के अन्तर्गत दिखाये गये निवेशों के बाजार मूल्य पथक रूप से कोष्ठकों में दिखाये गये हों।

[सं० 15(23)—बी० प्रो० III/75]

म० कु० बैंकटाचलम्, मंयुक्त सचिव।